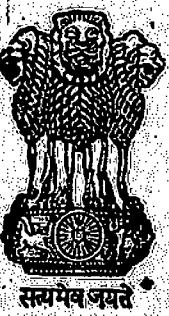


प्रतिवेदन शाखा



असंशोधित

17 JUL 2002

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग १—कार्यवाही—प्रस्तोत्र)

तारांकित प्रश्न संख्या - 1356 क्रमांकः

श्री पृथगोद सिंह :- गहोदा, माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में कहा कि 35 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। मैं माननीय मंत्री से जानना चाहता हूँ कि क्या इसमें आधा भी लार्य नहीं हुआ है और काम रोक दिया गया और 35 लाख १० की रिकासी कर ली गयी। इसलिए माननीय मंत्री से जानना चाहता हूँ कि यह इसकी जांच कराकर जितना जो भुगतान हुआ, दोनों पार्टियों के द्वारा करना चाहती है ?

श्री महावली रिंह मंत्री :- गहोदा, जांच का प्रश्न नहीं उठता है, जांच कराने के लायक लाठे हो तो हम सदन को पहली भी उत्ता चुके हैं कि क्या जाता लेकिन इसमें जांच करने का प्रश्न नहीं उठता है। जांच कराने का प्रश्न उठता और कोई भी पदाधिकारी अगर दोनों पार्टियों तो हम इसे दर्शास्त करने वाले नहीं हैं। इसका प्राकृतिक 70 लाख ३० का था और भुगतान 35 लाख १० किया गया और काम के अनुसार भुगतान किया गया।

अधाक्षा :- २८ आप स्वां संतुष्ट हो जाहीं कि काम के अनुस्पष्ट हुगतान हुआ है नहीं ?
श्री महावली रिंह मंत्री :- गहोदा, यह हमारे जिला की दात है और माननीय सदस्य भी हमारे जिला के हैं, यह जानकारी हम ले लिये हैं।

श्री पृथगोद सिंह :- भभुआ तुदरा पथा पूणातः गढ़े में तजदील हो गया है, इसका समय सीमा के अन्दर कार्य नहीं कराया गया और जो कार्य कराया गया उससे अधिक का भुगतान हो गया, मैं मंत्री जी के उत्तर को चुनौती देता हूँ।

अधाक्षा :- माननीय मंत्री तो कहते हैं कि लार्य से अधिक का भुगतान नहीं हुआ है, वे भी उसी जिला के हैं।

श्री पृथगोद रिंह :- अधाक्षा गहोदा, आप से माध्यम से कहना चाहता हूँ कि मंत्री जी ने जो उत्तर दिया है, मैं उसे चुनौती देता हूँ, जो 35 लाख १० का भुगतान हुआ है उतना काम नहीं हुआ है। गहोदा, इसकी जांच करा ली जाए जो अधिक राशि का भुगतान हुआ है।

टर्न-०/१७-७-२००२/मुस्ताक

उतना नहीं हुआ है। महोदय, इसकी जांच करा ली जाए जो अधिक राशि का भुगतान हुआ है।

श्री महावली सिंह गंत्री :- महोदय, जब माननीय सदस्य को विश्वास नहीं हो रहा है तो हाँ इसकी जांच करा लेते हैं।

श्री प्रमोद कुमार सिंह :- जांच तो करा लेंगे। लैण्ड जो रोड अभी चलने के लायक नहीं है ---

अधिकारी :- जांच कराने के बाद न जो दोषी होंगे दंडित करेंगे।

श्री प्रमोद सिंह :- किस पदाधिकारी से जांच कराना चाहते हैं?

श्री नवीन लिखाऊर प्रसाद सिंह :- माननीय सदस्य का कहना है कि जितनों राशि का काग हुआ है, उससे अधिक का भुगतान किया गया है, वह जांच का विषय होना चाहिए।

अधिकारी :- आप तैयार न। इसकी जांच कराएँगे।

श्रीप्रमोद सिंह :- महोदय, मैं माननीय गंत्री से जानना चाहता हूँ कि वे इसकी जांच किस पदाधिकारी से कराना चाहते हैं।

अधिकारी :- वह अभियंता प्रमुख से या कोडिला तो सीचिव, पथ निर्माण विभाग से जांच करा लेंगे।

श्री प्रमोद सिंह :- नहीं।

अधिकारी :- तब किसे कराना चाहते हैं?

श्री प्रमोद सिंह :- इसकी जांच निगरानी समिति से करायी जाए या विद्यान-सभा की समिति से करायी जाए।

अधिकारी :- सीचिव, पथ निर्माण विभाग इसको जांच करेंगे, ताठिले।

तारांकित प्रश्न संख्या - 1357

ठाठ रागचन्द्र पूर्वगंत्री :- वह गृह विशेष है विभाग के स्थानान्तरित कर दिया गया है।